

Read Instruction Leaflet before use.
उपयोग से पहले निर्देश पत्रिका पढ़ें।
For Agricultural use only.
केवल कृषि उपयोग के लिए।
Store in a cool, dry and well ventilated place.
ठंडी, सूखी और अच्छी तरह हवादार
जगह में संग्रह करें।

Clodinafop-Propargyl 15% WP

Kover

Herbicide

क्लोडिनाफोप प्रोपारजिल १५% डब्ल्यू.पी.

कवर

खरपतवारनाशक

Regn. No. : CIR-116568/2014-
Clodinafop-Propargyl (WP)(351)-60

TRUSTEES

INNOVATION

TRUSTEES

KRISHI RASAYAN GROUP

SINCE 1986 IN AGROCHEMICALS

Manufactured & Marketed By :
KR Lifesciences Pvt. Ltd.
29, LALA LAJPAT RAI SARANI,
KOLKATA-700 020
E-mail : kr@krishirasayan.com

निर्माता एवं विपणनकर्ता :
केआर लाइफसाइंसेस प्रा. लि.
29, लाला लाजपत राय सारनी,
कोलकाता-700 020

For Manufacturing unit address see first
three characters of Batch No. and see below :

KRR

Maitapur, P.O. Ranital, Balasore, Orissa-756111
Mfg. Lic. No. : e-Lic/INSECTI/MAN-PP-2

KRK

Joykrishnapur, P.O. Bonhoogly II, Sonarpur,
South 24 Parganas, West Bengal-700 103
Mfg. Lic. No. : MPP/ILC/145/K-2

Customer Care Detail :

KR Lifesciences Pvt. Ltd.

29, Lala Lajpat Rai Sarani, Kolkata-700 020
Toll Free No. : 18001211800
E-mail : customercare@krishirasayan.com

Kover

Clodinafop-Propargyl 15% WP
Herbicide

This is a post emergence herbicide used to control phalaris minor weed on wheat.
Recommendation

Crop (s)	Common Name of Pest	Dosage/Hactare		Waiting Period from last spray to harvest day
		a.i. (gram)	Formulation (gm)	
Wheat	Phalaris minor (Canary Grass)	60	400	375 – 400

Direction of Use :
Plant Protection Equipment : It can be applied through Knapsack sprayer fitted with flat fan nozzle.
Preparation of spray solution: (a) Mixing out side the knapsack : It is recommended to first mix this herbicide with clean water in a large container of sufficient size such that the complete number of knapsack load that are required for the spray are prepared at one time. Fill the container 1/3 or 1/2 full of clean water & add this herbicide . Gently stir until the product has dissolved then fill the knapsack sprayer directly with the mixed solution. It must be at the final concentration . Do not make a concentrate stock solution (slury) which required further dilution in the knapsack sprayer later on. (b) Mixing directly in to the knapsack sprayer: Fill the knapsack tank 1/3 or 1/2 full of clean water and put the water soluble bag of herbicide. Gently stir until the soluble bag and its contents fully dissolved and then add the rest of the water to the tank.
Mode of Uptake: This herbicide is taken up through leaves of grass weeds. Active growth of susceptible grasses ceases within 48 hours after application. Symptoms are observed within one to three weeks depending on environmental condition and species involved. Decay of nodes and growing points is visible with young leaves showing chlorosis followed by necrosis.

Re-cropping flexibility :
This herbicide quickly degrade in the soil and has little or no soil activity. There are no recropping restrictions.
Time of Application :
This herbicide is recommended for post emergence application i.e 30-35 days after sowing of wheat crop (when *Phalaris minor* is 3-4 leaf stage)
Precaution :
1. Keep away from foodstuffs, empty foodstuff containers and animals food.2. Avoid contact with mouth, eyes and skin.3. Avoid inhalation the spray mist. Spray in the direction of wind.4. Wash thoroughly the contaminated clothes and parts of the body after spraying.5. Do not smoke, drink, eat and chew anything while spraying.6. Wear full protective clothing while mixing and spraying.
Symptoms Of Poisoning :
Dyspnea, salivation, decreased activity and eye and skin irritation may occur.
First Aid :
1. If swallowed, induce vomiting by tickling the back of throat. Repeat it until the vomitus is clear. Do not induce vomiting if the patient is unconscious. 2. If clothing and skin are contaminated, remove the clothes and wash the contaminated skin with copious amount of soap and water. 3. If eyes are contaminated, flush with plenty of saline/clean water for about 10 to 15 minutes. 4. If inhaled, remove the patient to fresh air.

Antidote :
No specific antidote is known. Treat symptomatically.
Disposal Of Used Container :
1 It shall be the duty of manufactures formulators of herbicide and operator to dispose packages or surplus materials and washing from the machine and container shall be disposed off in a safe manner so as to prevent environmental and water. pollution. 2 The used packages shall not be left outside to prevent their re-use. 3. Packages shall be broken and buried away from habitation.
Storage Conditions :
1 The package containing the herbicide shall be stored in separate rooms or premises away from the rooms or premises used for storing other articles particularly articles of or shall be kept in separate almira under lock and key depending upon the quantity and nature of the herbicide. 2 The rooms or premises meant for storing the herbicide shall be well built dry cool ,well lit and ventillated and of sufficient dimensions.
Chemical Composition :
Clodinafop- Propargyl a.i. 15.00 % w/w
Safer cloquintocet-mexyl 3.75 % w/w
Additive alkoxyated alcohol 44.00 % w/w
Dispersing agent sodium-methyl-N-oleoyl-taurate 4.00 % w/w
Carrier sillicic acid QS %
Total: 100.000% w/w

Re-entry Period : 24 hrs.
Caution : Not to be used on Crops other than specified on this Label/Leaflet.

कवर

क्लोडिनाफोप प्रोपारजिल १५% डब्ल्यू.पी.
खरपतवारनाशक

यह एक फसल उगने के बाद इस्तेमाल करने के लिए खरपतवारनाशक है जिसकी सिफारिश गेहूं में आने वाले घास जैसे गुल्ली डंडा के नियंत्रण के लिए की जाती है।
उपयोग

फसल	कीट के नाम	प्रति हेक्टेयर मात्रा			अंतिम छिड़काव तथा फसल काटने के बीच अन्तराल दिन
		स.तत्व (ग्राम)	संरचना (ग्राम)	पानी की मात्रा (लीटर)	
गेहूं	गुल्ली डंडा	६०	४००	३७५-४००	११०

उपयोग के लिए निर्देश :
पौध सुरक्षा यंत्र : इसका छिड़काव नेपसेक स्प्रेयर जिसमें फैन नोजल लगा हो से किया जाता है। अच्छे असर के लिए कम से कम ३७५ ली. पानी प्रति हेक्टेयर की जरूरत होती है। यह पानी में घुलने वाले प्लास्टिक बैग में उपलब्ध है।
घोल बनाने की प्रक्रिया : १. नेपसेक स्प्रेयर में डालने के पहले की प्रक्रिया : इसका पूरा घोल एक बड़े पात्र में अच्छा पानी लेकर बनाइये जिससे पूरे क्षेत्र का छिड़काव करने के लिए घोल एक ही बार बने जिसे नेपसेक में डालकर छिड़क सके। ऐसे घोल बनाने के लिए उस पात्र को १/३ या १/२ पानी में भरे और उसे क्षेत्र को इस्तेमाल करने के लिए लगने वाली खरपतवारनाशक की मात्रा डाले। इस घोल को अच्छी तरह घुमाए ताकि मात्रा अच्छी तरह से घुल जाए। नेपसेक में भरने के लिए सीधे घोल का इस्तेमाल करें। कोंसन्ट्रेंट मात्रा बनाने की सिफारिश नहीं है।
नेपसेक में सीधी तरह डालने की प्रक्रिया : नेपसेक को २/३ या १/२ पानी से भरे। इसमें पानी में घुलनेवाली बैग जिसमें यह खरपतवारनाशक भरा हो डाल दें। अच्छी तरह इस घोल को घुमाइए ताकि अच्छा संमिश्रण तैयार हो। बचा हुआ पानी नेपसेक में डालकर छिड़काव करें।
खरपतवारों में अंदर जाने की प्रक्रिया : यह पत्तों के जरिए खरपतवारों में शोषण होता है। छिड़काव के ४५ घंटों बाद खरपतवारों का बढ़ना रुक जाता है। हरे पत्तों का पीला पड़ना और सूखना और बढ़ने वाले भागों का मरना छिड़काव से २ से ३ दिन बाद दिखाई पड़ता है।
बाद में उगने वाली फसल पर असर: यह मिट्टी में ज्यादा देर तक नहीं रुकता है। जिसके आने वाली फसल पर इसका कोई असर नहीं होता है। प्रयोग का समय : इस खरपतवार का उपयोग गेहूं में बुआई के ३०-३५ दिन बाद गुल्ली डंडा के ३-४ पत्ते निकल चुके हो किया जाता है।
प्रयोगकर्ताओं के लिए सावधानियां: १. खाद्यसामग्री, खाद्य सामग्री के खाली बर्तन और पशुओं के चारे से दूर रखें। २. मुँह, त्वचा और आँखों के सम्पर्क से बचायें। ३. छिड़काव की वाष्प को सांस द्वारा अन्दर जाने से बचायें। हवा की दिशा में छिड़काव करें। ४. छिड़काव के बाद दूषित कपड़ों और शरीर के अंगों को अच्छी तरह धोएं। ५. छिड़काव के समय धूम्रपान, खाना, पीना और कुछ चबाना नहीं चाहिए। ६. छिड़काव करते या मिलाते समय पूर्ण सुरक्षात्मक कपड़े पहनें।
विष के लक्षण : सांस लेने में परेशानी, अधिक लार आना, कार्यशीलता में कमी होना और आँख और त्वचा में जलन होना हो सकते हैं।

प्राथमिक चिकित्सा: १. यदि निगल जाये तो गले के पीछे गुदगुदी करके उल्टी कराये यह क्रिया तब तक दोहराते रहे जब तक उल्टी द्वारा निकला पदार्थ साफ न हो जाए। यदि मरीज बेहोश हो तो उल्टी न कराये। २. यदि कपड़े और त्वचा दूषित हो जाए तो दूषित कपड़े उतार दें और त्वचा को काफी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं। ३. यदि आँखे दूषित हो जाये तो उनको काफी मात्रा में सैलाइन/साफ पानी से लगभग १०-१५ मिनट तक धोएं। ४. यदि सांस द्वारा अन्दर गया हो तो रोगी को शुद्ध हवा में ले जायें।
विष नाशक : कोई विशिष्ट विषनाशक नहीं है। लक्षणानुसार इलाज करें।
खाली डिब्बों का निपटारा : १. खरपतवारनाशक निर्माता/उपयोग कर्ताओं का कर्तव्य है कि डिब्बो या पात्रों को तोड़फोड़कर आबादी से दूर जमीन में गाड़ देना चाहिये। २. प्रयोग किये गये डिब्बो को दोबारा प्रयोग के लिये बाहर ख़ुला न छोड़े। ३. डिब्बो या बची हुई खरपतवारनाशक या धोवन का निपटारा इस प्रकार करें के जिससे आसपास की चीजें पीने का पानी विषैला न हो।
संग्रहण की शर्तें: १. इस पदार्थ के डिब्बों को अलग कमरों में रखें जो उन कमरों से दूर हो जहाँ खाद्य पदार्थ या पशु चारे का संग्रह किया है। इसके रचमाव तथा यात्रा पर निर्भर करते हुए इसका संग्रह बंद अलमारी में ताला। २. इसके संग्रह का कमरा लम्बा- चौड़ा होना चाहिए जहाँ रोशनी का पूर्ण प्रबंध हो संग्रहण का कमरा मजबूत, खुफ़, ठंडा तथा हवादार होना चाहिए। कमरा बड़ा हो तथा वहां पर वायु प्रदूषण न हो।
रासायनिक संरचना :
क्लोडिनाफोप-प्रोपारजिल (सक्रिय तत्व) १५.००% मा/मा
सेफनर : क्लोकीन्टोकेट-मैक्सिल ३.७५% मा/मा
एडिटिव : अल्कोक्सीलेटेड अल्कोहल ४४.००% मा/मा
डिस्पर्सिंग एजेंट : सोडियम-एन-मेथाइल- ४.००% मा/मा
एन-ओलिलल-टॉओरेट क्वैएस
कैरियर सिलीसिक एसिड १००.००% मा/मा
कुल

पुनः प्रवेश अवधि: २४ घंटे।
चेतावनी : इस लेबल/पत्रिका पर निर्देशित फसलों के अलावा अन्य फसलों पर उपयोग नमा है।

କୋଭାର

କ୍ରୋଡିନାଫକ-ପ୍ରୋପାର୍ଜିଲ 15% ଡବ୍ଲିଉପି ହାବିସାହିଡ

ଏଠି ଏକଟି ଉଧାନ-ପରବଂଶୀ ଆଗାଛାନାଶକ ବା ଗମେର ଉପର ଫ୍ୟାଲାରିସ ଶୌମ ଆଗାଛା ନିୟନ୍ତ୍ରଣ କରରେ ବ୍ୟବହତ হয়।

ଫସଲ	କ୍ଷୀଟିଟର ନାମ	ପ୍ରତି ହେକ୍ଟିରେ ମାତ୍ର ଏ.ଆଇ (ଗ୍ରାମ)	ପ୍ରସ୍ତୁତକରମ (ଗ୍ରାମ)	ଜାଲେର ପରିମାପ (ଏମ୍)	ଶେଷବାର ଷ୍ଟେପ କବା ଥେକେ ଫସଲ ତୋଳାର ମଧ୍ୟବଂଶୀ ଅପେକ୍ଷାକାଳ ଦିନେ
ଗମ	ଫ୍ୟାଲାରିସ ମାହିନର (କୋମାରି ସାସ)	60	400	375 - 400	110

ବାସବାହରେ ନିକନିର୍ଦ୍ଦେଶ:

ଉଦ୍ଭିନ ସୁରକ୍ଷା ସରଗ୍ରାମ: ଏଠି ଛାଠି ଫାନରେ ଅଘ୍ରଭାସେର ସାଥେ ଲାଗାନୋ କ୍ୟାନପ୍ୟାକ ଷ୍ଟେନ୍ସାରେର ମାନ୍ଧାରେ ପ୍ରୟୋଗ କବା ଯେତେ ପାରେ ।

ଷ୍ଟେପ ଢବମ ପ୍ରସ୍ତୁତ: (କ) ନ୍ୟାପସ୍ୟାକେର ବାହିରେ କେନାେ : ପ୍ରଥମେ ପର୍ଯାଞ୍ଚ ଆକାରେର ଏକଟି ବଡ଼ ପାତ୍ରେ ପରିହାର ଜାଲେର ସାଥେ ଏହି ଡେସଜନାଶକ ମିଶ୍ରିତ କରାବ ପରାମର୍ଶ ଦେଓୟା ହସା ଯାତେ ଷ୍ଟେପ କରାର ଜନ୍ୟ ପ୍ରୟୋଜନୀୟ ନ୍ୟାପସ୍ୟାକେର ଲୋରେର ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ସଂଖ୍ୟାକ ଲୋଡ଼ ପ୍ରସ୍ତୁତ କବା ହସ। ସମୟ ପାଞ୍ଜଟି 1/3 ବା 1/2 ପରିପୂର୍ଣ୍ଣ ପରିହାର ଜାଲେ ପୂର୍ଣ୍ଣ କରୁନ ଏବଂ ଏହି ଡେସଜନାଶକ ଯୋଗ କରନ। ପମାତି ଡ୍ରବୀଭୂତ ନା ହଓୟା ପର୍ଯନ୍ତ ଆଲଡୋଭାରେ ନାଢୁନ ତାରମର ମିଶ୍ର ଢବମ ଦିରେ ସରାସରି ନ୍ୟାପସ୍ୟାକ ଷ୍ଟେନ୍ସାଟାଟି ପୂରାମ କରନ। ଏତା ଚୂଡାତ ଘନବ୍ ହତେ ହରେ ଏକଟି ଘନୀଭୂତ ଟିକ ଢବମ (ଜ୍ଝାରି) ତୈରି କରାବେନ ନା ସାର ଜନ୍ୟ ପରବଂଶୀରେ ନ୍ୟାପନ୍ୟାକ ଷ୍ଟେନ୍ସାରେ ଆରଓ ପାତଲା କରତେ ହସ। (ଧ) ନ୍ୟାପସ୍ୟାକ ଷ୍ଟେନ୍ସାରେର ସରାସରି ମିଶ୍ରିତ କବା: ନ୍ୟାପସ୍ୟାକେର ଡାଞ୍ଜଟି 1/3 ବା 1/2 ପରିପୂର୍ଣ୍ଣ ପରିହାର ଜାଲେ ପୂର୍ଣ୍ଣ କରୁନ ଏବଂ ଡେସଜନାଶକରେ ଜଳ ଡ୍ରବଣୀସ ବ୍ୟାମ ରାଧୁନ। ଡ୍ରବଣୀସ ବ୍ୟାମ ଏବଂ ଏର ବିସୟବତ୍ତ୍ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣରୂପେ ଡ୍ରବୀଭୂତ ନା ହଓୟା ପର୍ଯନ୍ତ ଆଲଡୋଭାରେ ନାଢୁନ ଏବଂ ତାରମର ଡାଞ୍ଜେ ବାକି ଜଳ ସୋମ କରୁନ।

ଗ୍ରହସେର ପମ୍ଜତି: ଏହି ଡେସଜନାଶକ ସାସେର ଆଗାଛାର ପାତାର ମାନ୍ଧାରେ ଗ୍ରହମ କବା ହସ। ପ୍ରୟୋସେର 48 ଘଣ୍ଟାର ମଧ୍ୟେ ସଂବେଦନଶୀଳ ସାସେର ସକ୍ରିୟ ବୃଦ୍ଧି ବନ୍ଦ ହସେ ସାସ। ପରିବେଶଗତ ଅବସ୍ଥା ଏବଂ ଜାଡିତ ପ୍ରଜାତିର ଉପର ନିର୍ଭର କରେ ଏକ ଥେକେ ତିନି ସଂଗ୍ରାହେର ମହେ ଲକ୍ଷମଣ୍ଡଳି ପରିମାନ୍ବିତ ହସ। ଡୋଡ ଏବଂ ଜ୍ରାମବର୍ଧନାମ ବିନ୍ଦୁଖୁଲିର କ୍ଷୟ ଦେସା ସାସ କଟି ପାତାର ସାଥେ ଦେସା ସାସ କ୍ରୋଟ୍ରୋସିସ ଏବଂ ନେକ୍ରୋସିସ।

ପୁନରାସ ଋପିଏ ନମନୀୟତା:

ଏହି ଡେସଜନାଶକ ଜ୍ରାତ ମାଟିତେ କ୍ଷୟଗ୍ରାଞ୍ଚ ହସ ଏବଂ ମାଟିର କାର୍ଯକଲାମ ସାମାନ୍ୟ ବା ଡେ। କେନ ପୁନରଜ୍ଞାର ସୀମାବଜ୍ରତା ଆହେ।

ଆଦେଶରେ ସମୟ:

ଏହି ଡେସଜନାଶକ ଉଧାନ-ପରବଂଶୀ ପ୍ରୟୋସେର ଜନ୍ୟ ସୁାପାରିଶ କବା ହସ ଯେମନ ଗମ ଫସଲ ବମନେର 30-35 ଦିନ ମରେ (ଧ୍ୟନ ଫଲାରିସ ମାହିନର 3-4 ପାତାର ପର୍ଯାସେ ବାହେ)

ସତର୍କତା:

1. ସାନ୍ଧ୍ରାସ, ସାଲି ସାଧାରେର ପାଞ୍ଜ ଏବଂ ମାତ୍ରର ସାଧାର ଥେକେ ଦୂରେ ରାଧୁନ।
2. ମୂଧ, ଡୋଧ ଏବଂ ଢୁକେର ସାଥେ ସୋମୋସୋମ ଏଡିରେ ଚଲନ।
3. ଷ୍ଟେପ କୁସାଶା ଇନ୍ଦୋଲେଶନ ଏଡିରେ ଚଲନ.
ବାତାସେର ଦିକେ ଷ୍ଟେପ କରୁନ
4. ଷ୍ଟେପ କରାର ପର ଦୂସିତ ଜାମାକମ୍ପଡ଼ ଏବଂ ଶ୍ରୀରେର ଅନ୍ଧେଖୁଲି ଭାଗାସେର ଥ୍ରେ ଫେଲୁନ।
5. ଷ୍ଟେପ କରାର ସମୟ ଶ୍ଵମପାନ କରାବେନ ନା, ପାନ କରାବେନ ନା, ସାନ ଏବଂ ଡିବାବେନ ନା।
6. ମିଶ୍ରମ ଏବଂ ଷ୍ଟେପ କରାର ସମୟ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ଗ୍ରହିତକ୍ଷମୁଳକ ମୋଶାକ ମରନ।

ବିସିଝିଝିସାର ଲକ୍ଷମ:

ସ୍ଥାସକଟି, ଲାଲା, କାର୍ଯକଲାମ ସ୍ଥାସ ଏବଂ ଡୋଧ ଏବଂ ଢୁକ ଜାଣା ହତେ ପାରେ।

ପ୍ରାଥମିକ ଚିକିତ୍ସା :

1. ଘିଲେ କେଶା ହଲେ, ଗମାର ପିଛରେ ସୂଢ଼ସୂଢି ଦିରେ ବମି କରାନ।
ବମି ପରିହାର ନା ହଓୟା ପର୍ଯନ୍ତ ଏଠି ପୁନରାବୃଦ୍ଧି କରନ।
ଶ୍ରୋଶୀ ଅଜାନ ହଲେ ବମି କରାବେନ ନା।
2. ସଦି ମୋଶାକ ଏବଂ ଢୁକ ଦୂସିତ ହସ, କମ୍ପଡ଼ ସରିରେ ଫେଲୁନ ଏବଂ ଦୂସିତ ଢୁକ ଗ୍ରହ୍ରର ପରିମାେ ସାବାନ ଏବଂ ଜଳ ତାଣେ କବା ହରେ ଦୂସିତ ଫେଲୁନ।
3. ଡୋଧ ଦୂସିତ ହଲେ, ପ୍ରାୟ 10 ଥେକେ 15 ମିନିଟିରେ ଜନ୍ୟ ଗ୍ରହ୍ରର ସାନ୍ଧାଶିଳ/ପରିହାର ଜଳ ଦିରେ ଥ୍ରେ ଫେଲୁନ।
4. ସ୍ଥାସ ନେଓୟା ହଲେ, ଶ୍ରୋଶିକେ ତାଜା ବାତାସେ ସରିରେ ଦିନ।

ପ୍ରତିସେଧକ:

କୋନୋ ନିଦିଶି ପ୍ରତିସେଧକ ଜାନା ଡେ। ଲକ୍ଷମଗତଭାବେ ଚିକିତ୍ସା କରନ।

ବାସହତ ପାଢ୍ହେର ନିମ୍ପମିଡି:

1. ପ୍ୟାକେଜ ବା ଉଦ୍ଭୂତ ଉପକରମ ନିମ୍ପମିଡି କବା ହାବିସାହିରେ ଫର୍ମୁଲେଟି ପ୍ରସ୍ତୁତକାରକ ଏବଂ ଅପାର୍ଟିକେରେର ପାରିସ୍ତ୍ର ହସେ ଏବଂ କେଶିନ ଏବଂ ପାଞ୍ଜ ଥେକେ ଓସାମିଶ୍ ନିରାମ୍ପନ ଉପାସେ ନିମ୍ପମିଡି କବା ହରେ ସାତେ ପରିବେଶ ଏବଂ ଜଳ ପ୍ରତିରୋଧ କବା ସାସ।
ଦୂସା।
2. ବାସହତ ପ୍ୟାକେଜଖୁଲି ତାସେର ପୁନରାସ ବାସବାସ ରୋଧ କରାର ଜନ୍ୟ ବାହିରେ ରାଧା ସାରେ ନା।
3. ପ୍ୟାକେଜ ଭାଣ୍ଡା ଏବଂ ବାସସନ୍ଧାନ ଥେକେ ଦୂରେ କରବ ଡେଓୟା ହସେ।

ଜନ୍ୟା ଶର୍ତ :

1. ହାବିସାହିଡ ସନ୍ଧଲିତ ପ୍ୟାକେଜାଟି ଆଲାଦା କଢ଼େ ବା ପ୍ରାସ୍ତାସେ ସଂରକ୍ଷମ କରତେ ହସେ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ଜିନିସମ୍ବଳ ସଂରକ୍ଷମେର ଜନ୍ୟ ବାସହତ କକ୍ସ ବା ପ୍ରାସ୍ତମ ଥେକେ ଦୂରେ, ବିଶେସ କରେ ଆର୍ଟିସାହିଲସେର ଆର୍ଟିସାହିଲସ ବା ଆଗାଛାନାଶକେର ପରିମାମ ଏବଂ ପ୍ରକୃତିର ଉପର ନିର୍ଭର କରେ ତାଣା ଏବଂ ଡାବିର ନୀଡ଼େ ଆଲାଦା ଆଲମାରିତେ ରାଧା ହରେ।
2. ଆଗାଛାନାଶକ ସଂରକ୍ଷମେର ଜନ୍ୟ କକ୍ସ ବା ପ୍ରାସ୍ତମଖୁଲି ଭାଗାଛାରେ ଖୁଞ୍ଚ ଶୀଢ଼ଳ, ଭାଳ ଆଲୋକିତ ଏବଂ ସାୟୁଚ୍ଚାଳାସ ଏବଂ ପର୍ଯାଞ୍ଚ ମାଞ୍ଜାର ତୈରି କବା ଉଡିତ।

ରାସାୟନିକ ରକ୍ଷା:

କ୍ରୋଡିନାଫକ- ପ୍ରୋପାର୍ଜିଲ a.i.	15.00 % w/w
ସାଫନାର କ୍ରୋକ୍ସିଫ୍ଟୋକ୍ସି-ଟେ଼ସିଲ୍	3.75 % w/w
ସଂଯୋଜନ ଅ ସାଲକୋସିଲ୍ରେଟିଡ ଆଲକୋହଲ	44.00 % w/w
ବିନ୍ଦୁରମକାରୀ ଏକ୍ସେଣ୍ଟ ସୋଡିୟାମ-ମିଥାହିଲ-ଏନ-ଓଲିଓଲ-ଡାଉରେଟି	4.00 % w/w
କାରିୟାର ସିସିସିକେ ଆସିଡ	Q.S.%
ମୋଟ:	100.000 % w/w

ପୁନରାସ ପ୍ରଥମେସେର ସମୟକାଳ: 24 ଘଣ୍ଟା।

ସତର୍କତା: ଏହି ଲେବେଲ/ସିଫଟେଟି ଉଲ୍ଲେଖ କବା ଛାଞ୍ଚା ଅନା ଫସଲେ ବାସବାସ କବା ସାରେ ନା।

କୋଭାର

କ୍ରୋଡିନାଫକ-ପ୍ରା୍ପାର୍ଗିଲ 15% ଡବ୍ଲିଉ.ପି ହାହିନାନାଶକ

ଏହିଟୋ ସୈଧବ ଓପବତ ଫାଲାବିହ ମାହିନାହିଁ ଅମତୃଣ ନିୟନ୍ତ୍ରଣର ବାସେ ବାରହାବ କବା ମୋରି ୟୁର୍କେସିସ ହାବିହିଇଡ ।

ପରାମର୍ଶ:

କ୍ଷେତ୍ର	ପୋଷକ ନାମ	ଡ଼ଙ୍ଗ/ହେକ୍ଟେର			ଅନ୍ତିମସାର ଛାଡ଼ିବାର ପିଛତ ଫସଲ ଛପାଗାଣାସକେ ଅନେକ୍ଷା କରିବ ଲଗା ସମୟ
		ଏ.ଆଇ (ଗ୍ରାମ)	ପ୍ରାକୃତି (ଗ୍ରାମ)	ମାମିତ ବ୍ରହମ (ଜି)	
ସୈନ୍ଦବ	ଫାଳାପାଣିଘ୍ ମାହିନାହିଁ (କୋନାରି ସାହି)	60	400	375 - 400	110

ବାରହାବର ମିଶ :

ଉଦ୍ଭିନ ସୁରକ୍ଷା ସଂଜ୍ଞାଲି : ୟିଆକ ଫ୍ରେଟି ଫେନ ନଞ୍ଜେଲ ଲମୋବା କାନମକେ ଷ୍ଟେନ୍ସାସବ ଜାବିସତେ ପ୍ରୟୋଗ କରିବି ମାରି ।

ଷ୍ଟେପ୍ ହର ପ୍ରସ୍ତୁତ କବା: (କ) ଡେମକେକର ବାରିବର ଫାଲେ ମିହାଲି କବା: ପ୍ରଥମେ ଏହି ସାହିନିନାଶକଟୋ ପରିହାର ମାମିର ଟାତେ ସାଥେଟି ଆକାବର ଡାଞ୍ଜର ପାଞ୍ଜାତ ମିହାଲି ସୋରାଟୋ ବାଞ୍ଛନୀୟ ସାତେ ଷ୍ଟେପ ବାସେ ପ୍ରୟୋଜନୀୟ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ସଂଖ୍ୟାକ ନେମକେକର ସୋଜା ଡିଟାତ ପ୍ରସ୍ତୁତ କବା ହସ ସମୟ। ପାଞ୍ଜାଟୋ 1/3 ବା 1/2 ବିଷୁଦ୍ଧ ମାମିରେ ଭବାହି ଏହି ସାହିନିନାଶକ ଯୋଗ କରିବ। ଲାହେ ଲାହେ ଲବାହି ସାହିବ ସେଡିଆଲେକେ ପ୍ରାଡ଼ାଞ୍ଜିଟୋ ଡ୍ରବୀଭୂତ ନହସ। ତାର ପିଛତ ନେମକେ ଷ୍ଟେନ୍ସାସବତ ମିଶ୍ରିତ ଡ୍ରବଟୋ ମୋନେ ମୋନେ ଭବାହି ଦିସ। ୟି ଚୂଡାତ ଘନଭୂତ ସାହିବି ଲାଗିବ ପିଛତ ନେମକେ ଷ୍ଟେନ୍ସାସବତ ଅଧିକ ପାତେଲ କବାବ ପ୍ରୟୋଜନ ହୋରା ଘନୀଭୂତ ସାଡ଼ିକ ହର (ଜ୍ଝାରି) ବନାବ ନାଲୋ। (ଧ) ନେମକେ ଷ୍ଟେନ୍ସାସବତ ମୋନମିଡିଆକେ ମିହାଲି କବା: ନେମକେ ଡେକତ 1/3 ବା 1/2 ବିଷୁଦ୍ଧ ମାମି ଭବାହି ମାମିତ ଡ୍ରବୀଭୂତ ସାହିନିନାଶକବ ସେଗେଟା ଦିସ। ଡ୍ରବଣୀସ ସେଗେଟା ଆକ ୟିଆବ ଭିତ୍ତବର ବସ୍ତୁବୋର ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣକମେ ଡ୍ରବୀଭୂତ ହୋରାଲେକେ ଲାହେ ଲାହେ ଲବାହି ସାହିବ ଆକ ତାର ପିଛତ ବାକି ମାମିଆସି ଡେକିକତ ଦିସ।

ଗ୍ରହବର ଧରା: ଏହି ସାହିନିନାଶକ ସାହିବ ଅମତୃଣବ ମାତବ ମାଞ୍ଜୋରେ ଗ୍ରହମ କବା ହସ। ପ୍ରୟୋଗ କବାବ 48 ଘଣ୍ଟାର ଭିତ୍ତବତ ସଂବେଦନଶୀଳ ସାହିବର ସକ୍ରିୟ ବୃଦ୍ଧି ବନ୍ଦ ହେ ସାସ। ପରିବେଶର ଅବସ୍ଥା ଆକ ୟିଆବ ଲଗତ ଜାଡିତ ପ୍ରଜାତିବ ଓପବତ ନିର୍ଭବ କବା ଏମଗ୍ରାହର ପବା ତିନି ସଗ୍ରାହର ଭିତ୍ତବତ ଲକ୍ଷମ ଦେସା ସାସ। କମ୍ପରାମି ମାତବ ଙ୍ଗ-ଧିଞ୍ଛି ଆକ ତାର ପିଛତ ନେଙ୍ଝିଞ୍ଛି ଦେସା ମୋରାବ ଲମେ ଲମେ ନିଢ ଆକ ବୃଦ୍ଧିବ ବିନ୍ଦୁବ କ୍ଷୟ ଦେସା ସାସ।

ପୁନବ ଶସାର ନମନୀୟତା :

ଏହି ସାହିନିନାଶକବିଧି ମାଡିତ ମୋନକାଲେ ଅବକ୍ଷୟ ହସ ଆକ ୟିଆବ ମାଡିବ କାର୍ଯକଲାମ କମ ବା ଏକେବାସେହି ନାଥାକେ। ପୁନବ କାମି କବାବ କୋନୋ ବାଧା ନାହି।

ଆସେନେବର ସମୟ:

ଏହି ସାହିନିନାଶକଟୋ ଉଧାନବର ପିଛତ ଅର୍ଥାଞ୍ ସୈଧବ ଶସ୍ୟ ବାଞ୍ଜ ଟିଆବ 30-35 ଦିନବ ପିଛତ କେଡିଆ ଫାଲାବିହ ମାହିନାହିଁ 3-4 ପାତବ ପର୍ଯାସ ହସ) ପ୍ରୟୋଗ କବାଟୋ ବାଞ୍ଛନୀୟ।

ସାଧ୍ୟତାମାତ୍ର :

1. ସାଦା ସାମଗ୍ରୀ, ସାଣ୍ଠି ସାଦା ସାମଗ୍ରୀର ମାଞ୍ଜ ଆକ ଜିୀର-ଜନ୍ତୁବ ସାଧାର ପବା ଉତ୍ତରତ ବାସବ।
2. ମୂଧ, ଚକ୍ ଆକ ଛାଲର ସଂସ୍ପର୍ଶ ଏବକ।
3. ଷ୍ଟେପ୍ କୁରଣୀ ଉତ୍ତାହ ଲୋରାବ ପବା ବିବତ ଥାକକ। ବତାହବ ମିଶତ ଷ୍ଟେପ କରିବ ଲାମେ।
4. ଷ୍ଟେପ କବାବ ପିଛତ ଦୂସିତ କାମୋବ ଆକ ଶଶୀବର ଅଂଶ ଭାଲଦରେ ଧର ଲାମେ।
5. ଷ୍ଟେପ କବାବ ସମୟତ ଶ୍ଵମପାନ, ମାମିୟ, ସାଧ ଆକ କୋନୋ ବସ୍ତ ଡୋବାହି ନାସାବ।
6. ମିଶ୍ରମ ଆକ ଷ୍ଟେପ କବାବ ସମୟତ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ସୁରକ୍ଷମୂଳକ କାମୋବ ମିସ୍ଥିବ ଲାମେ।

ବିସିଝିଝିସାର ଲକ୍ଷମ:

ସ୍ଥାସ-ପ୍ରସ୍ଥାସତ କଟି, ଲାଲା ଓଲୋରା, କାର୍ଯକଲାମ କମି ସୋରା ଆକ ଚକ୍ ଆକ ଛାଲର ସିସ ହି ଅପାରେ।

ପ୍ରାଥମିକ ଚିକିତ୍ସା :

1. ଘିଲିଲେ ଡିଞ୍ଜିବ ପିଛସାଲେ ଟିକାଟିକିସାହି ବମିବ ସଞ୍ଜି କରିବ ଲାମେ। ବମି ପରିହାର ଲୋହୋଲେକେ ମୁନବାବୁଡି କରିବ। ସୋଶୀ ଅଜେନ ହି ଲେ ବାରିବ ପ୍ରାରୋନା ନକରିବ।
2. କାମୋବ ଆକ ଛାଲ ଦୂସିତ ହି ଲେ କାମୋବ ଆଡବାହି ଦୂସିତ ଛାଲନେ ପ୍ରସ୍ତବ ପରିସାଲେ ଚାରୋନ ଆକ ମାମିରେ ଧର ଲାମେ।
3. ଚକ୍ ଡିଟା ଦୂସିତ ହି ଲେ ପ୍ରସ୍ତବ ପରିସାଲେ ଡୋଲିନ/ପରିହାର ମାମିରେ ପ୍ରାସ୍ତ 10ଧ ପବା 15 ମିନିଡି ଧର ଲାମେ।
4. ଉତ୍ତାହ ଲି ଲେ ସୋଶିକ ଖୁଦ୍ଧ ବତାହଲେ ଡିଲିସାହି ଦିସ ଲାମେ।

ପ୍ରତିସେଧକ :

କୋନୋ ନିଦିଶି ପ୍ରତିସେଧକ ଜନା ନାସାସ। ଲକ୍ଷଣୀସାତେ ଚିକିତ୍ସା କରବ।

ବାସହତ ପାଢ୍ହର ନିମ୍ପାଶନ :

1. ସାହିନିନାଶକ ପ୍ରସ୍ତୁତକାରୀ ଆକ ଅପାର୍ଟେଟବର କର୍ତବ୍ୟ ହି ଅମୋପୋବା ବା ଉଦ୍ଭୂତ ସାମଗ୍ରୀ ମୋରୋରା ଆକ ମୋଟନ ଆକ ମାଢବର ପବା ସୋରା ବସ୍ତୁବୋର ନିବାମପନାଡେ ନିୟନ୍ତ୍ରାଶ କରିବ ଲାମେ ସାତେ ପରିବେଶ ଆକ ମାମି ବୋଧ କରିବ ପବା ସାସ। ପ୍ରାସ୍ତସ।
2. ବାରହତ ମେକେଜସମ୍ବହ ପୁନବ ବାରହାବ ବୋଧ କରିବାବେ ସାହିବତ ଏସି ଦିସି ନାଲାମେ।
3. ମେକେଜସୋବ ଡାଞ୍ଜି ସାସସନ୍ଧାନର ପବା ଆଡବତ ମୃତି ଥବ ଲାଗିବ।

ସଂବେକ୍ଷଣର ଅବସ୍ଥା :

1. ସାହିନିନାଶକ ଥକା ଡୋମୋଲୋଟୋ ସାହିନିନାଶକଟୋର ପରିମାମ ଆକ ପ୍ରକୃତିବ ଓପବତ ନିର୍ଭବ କରି ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ସାମଗ୍ରୀ ବିଶେଷକେ ସାମଗ୍ରୀ ସଂବେକ୍ଷଣର ବାସେ ବାରହାବ କବା କୋଟା ବା ଡୋହବର ପବା ଆଡବତ ମୂଧକ କୋଟା ବା ଡୋହଦତ ସଂବେକ୍ଷଣ କରିବ ଲାଗିବ ବା ମୂଧକ ଆଲମିବାତ ତଲା ଆକ ଡାବିର ଲତାତ ସାହିବ ଲାଗିବ।
2. ସାହିନିନାଶକ ବଧାବ ବାସେ ନିମିତ କୋଟା ବା ଡୋହଦସୋବ ଭାଲଦରେ ନିର୍ମାମ କବା ଖୁକାନ ଶୀଢ଼ଳ, ଭାଲଦରେ ମୋହବ ଆକ ସାୟୁ ଚାଲାଳ କବା ଆକ ପର୍ଯାଞ୍ଚ ମାଞ୍ଜାର ହି ବ ଲାଗିବ।

କ୍ରୋଡିନାଫକ- ପ୍ରୋପାର୍ଗାହିଲ a.i.	15.00 % w/w
ଫେନ୍ସାବର ଙ୍ଗକ୍ସିଫ୍ଟୋକ୍ସି-ଟେ଼ସିଲ୍	3.75 % w/w
ସୋଗକରଣ ଏଲକ ଙ୍ଗିଲେଟେଡ ଏଲକହଲ	44.00 % w/w
ବିଞ୍ଜିଂଶୁକାରି ଏକ୍ସେଣ୍ଟ ହାଞ୍ଡିୟାମ-ମିଥାହିଲ-ଏନ-ଆଲିଅ ଇଲ-ଟି ଡେଟି	4.00 % w/w
ସାହକ ଚିଲିଟିକି ଏଡିଡ	Q.S.%
ମୂଟ:	100.000 % w/w

ପୁନବ ପ୍ରାକ୍ରେଶର ସମୟ : 24 ଘଣ୍ଟା।

ସାର୍ବଧାନ: ଏହି ଲେବେଲ/ପ୍ରାଚବ ମଡିକାତ ଉଲ୍ଲେଖ କବା ସାହିରେ ଅନ୍ୟ ଶସ୍ୟାତ ବାରହାବ କରିବ ନାଲାମେ।

କଭର

କ୍ରୋଡିନାଫକ-ପ୍ରପର୍ଜିଲ୍ 15% WP ହରବାଇବିଡ୍

ଋତୁନ ଋତରେ ଫୋଇବିଡ୍ ଛୋଟ ଚୁଣକକୁ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ କରିବା ପାଇଁ ଏହା ଏକ ଘୋଷ୍ଟ ଅଭିହୀତ ହରବାଇବିଡ୍ ।

ଫସଲ	ଘୋଷ୍ଟର ଗୋଷ୍ଠାଗୋ ନାମ	ପ୍ରେକ୍ଷର ପ୍ରତି ମାତ୍ର ପ.ଋ (ଗ୍ରାମ)	ଫର୍ମିଲେକ୍ସନ୍ (ଗ୍ରାମ)	ନିଗାଛବା ପାଇଁ (ରି)	ଅନ୍ତିମ ପିଞ୍ଜର ପଛଠୁ ଅନ୍ତମ ମଧ୍ୟରେ ବ୍ୟବହାର (ଡେଜେର)
ଋତୁନ	ଫୋଇବିଡ୍ ନାବାକକ (କୋରାଜି ବାପ)	60	400	375 - 400	110

ବ୍ୟବହାରର ନିର୍ଦ୍ଦେଶ:

ଋତିତ ପ୍ରସ୍ତଣ ଋତବରଣ: ସ୍ୱାଦ ଫାଲ୍ ଗୋଜେଲ ସହିତ ସୁପରିକ୍ତ କାନପଘାଢ଼୍ ଷ୍ଟେଲ୍ ମାଧ୍ୟମରେ ଏହା ପ୍ରୟୋଗ କରାଯାଇପାରିବ ।

ଷ୍ଟେପ୍ ଗୁଣ୍ଡାଘନ୍ତ ପ୍ରସ୍ତୁତି: (କ) ନାଞ୍ଜାଢ଼୍ ପାଘର୍ଣ୍ଣରେ ନିଶ୍ଚୟ ପ୍ରଥମେ ଏହି ହରବାଇବିଡକୁ ବିଶୁଦ୍ଧ କର ସହିତ ପର୍ଯ୍ୟାପ୍ତ ପରିମାଣର ଏକ ବଡ଼ ପାତ୍ରରେ ନିଶ୍ଚୟ କରିବାକୁ ପରାମର୍ଶ ଦିଆଯାଇଛି ଯେପରି ଷ୍ଟେପ୍ ପାଇଁ ଆବଶ୍ୟକ ଗ୍ରହଣକ ଲୋଞ୍ଜାଢ଼୍ ଲୋଡ଼ ଗୋଟିଏରେ ପ୍ରସ୍ତୁତ । ଘନୟ ପାତ୍ରକୁ 1/3 କିମ୍ବା 1/2 ବିଶୁଦ୍ଧ ପାଣିରେ ଭରନ୍ତୁ ଏହା ଏହି ହରବାଇବିଡ ନିଶାନ୍ତ । ଶ୍ୱାଦା ଡ୍ରପାକୃତ ନହେବା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଧାରେ ଧାରେ ପାଣ୍ଠକୁ ପାତରେ ନିଶ୍ଚିତ ଘମାଞ୍ଜାତ ସହିତ ସିଧାଘରଣ ନାଢ଼ଢ଼୍ ଷ୍ଟେଲ୍ ଭରନ୍ତୁ । ଏହା ଅନ୍ତିମ ଏକାଗ୍ରତାରେ ରହିବା ଚକ୍ଷୁର । ଏହ ଏକାଗ୍ର ଖୁଦ୍ ପଶ୍ଚାଘନ୍ତ (ଡ୍ରୁପ୍) ପ୍ରସ୍ତୁତ କରନ୍ତୁ ନାହିଁ ଘାହା ପରବର୍ତ୍ତୀ ଘନୟରେ ନାଗ୍ରାଢ଼୍ ଷ୍ଟେରରେ ଅନ୍ତିକ ନିଶ୍ଚୟ ଆବଶ୍ୟକ କରେ । ଡ୍ରପାକୃତ ଲାଘ ଏହା ଏହାର ବିଷୟବସ୍ତୁ ଘନ୍ତୁର୍ ଚୁରେ ଚଉକି ସିବା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଧାରେ ଧାରେ ପାଣ୍ଠକୁ ଏହା ଗପରେ ଗାଢି ପାଣି ଗଞ୍ଜିରେ ନିଶାନ୍ତ ।

ଅନ୍ତବେଦନ ପଥା: ଏହି ହରବାଇବିଡ୍ ଚୁଣକ ପତ୍ରର ପତ୍ର ମାଧ୍ୟମରେ ନିମ୍ନସ୍ଥ । ଘନ୍ତେବନଶାକ ପାଘାଢ଼ ସହିତ୍ ଅଭିବୃତ୍ତି ପ୍ରୟୋଗର 48 ଘଣ୍ଟା ମଧ୍ୟରେ ବଦ ହୋଇପାଏ । ପରିବେଶ ଛିଟି ଏହା ତଡିତ ପ୍ରମାଣି ଋତରେ ନିର୍ଭର କରି ଏକକୁ ଟିଟି ପ୍ରସ୍ତାହ ମଧ୍ୟରେ ଲକ୍ଷଣ ଦେଖାଯାଏ । ଗୋଡ଼ଗୁଡିକର ଷୟ ଏହା ବୃହତ୍ ପାତ୍ର ଫଳକୃତ ଛୋଟ ପତ୍ର ସହିତ ଛୋରୋସିଡ୍ ଦେଖାଯାଏ ଏହା ପରେ କେନ୍ଦ୍ରୋସିଡ୍ ଦେଖାଯାଏ ।

ହରବାଇ ଫଳକ ନମନାତା:

ଏହି ହରବାଇବିଡ୍ ଶାସ୍ତ୍ର ମାଟିରେ ଖାଗାତ ହୋଇପାଏ ଏହା ମାଟିର କାର୍ଯ୍ୟକରଣ ନଥାଏ । ଋଣିଡ୍ ପ୍ରୁତ ଋଣାତ ପ୍ରତିବଦ୍ଧ ନାହିଁ ।

ଆନ୍ତବେଦନ ପମୟ:

ଋତୁନ ଫସଲ ଚୁଣିଗାର 30-35 ଦିନ ପରେ ଘୋଡେବେତେ ଫୋଇବିଡ୍ ନାବାକକ 3-4 ପତ୍ର ପର୍ଯ୍ୟାପ୍ତ ଏହି ଶ୍ୱାଦାତ ହରବାଇ ପାଇଁ ନରାମର୍ଶ ଦିଆଯାଏ ।

ପ୍ରବର୍ତତା:

1. ଖାଦ୍ୟ ଘାମଗ୍ରା, ଖାଇ ଖାଦ୍ୟ ଘାମଗ୍ରା ପାତ୍ର ଏହା ପଶୁ ଖାଦ୍ୟଠାରୁ ଦୂରରେ ରୁହନ୍ତୁ । ପାଣି, ଅଛାଣି ଏହା ଚର୍ମ ସହିତ ଗମକର୍ମ ଦୂରରେ ରୁହନ୍ତୁ । ଷ୍ଟେପ୍ ଚୁଡୁଚିଲ୍ ନିଶ୍ଚାସାସ ଫେମ୍ ପାରୁ ଦୂରରେ ରୁହନ୍ତୁ । ପଦବ ଡିଗରେ କେନ୍ତୁ କେନ୍ତୁ । ଷ୍ଟେପ୍ କରିବା ପରେ ଦୂରିତ ଘୋଷାକ ଏହା ଶରୀରରେ ବିଜି ଅନ୍ତର୍ଗତ ଭଲ ବାହରେ ଯୋଡ ବିଷୟ । ଷ୍ଟେପ୍ କରିବା ଘନୟରେ ସୁମାଗନ କରନ୍ତୁ ନାହିଁ, ପିତନ୍ତୁ ନାହିଁ, ଖାନ୍ତାନ୍ତୁ ନାହିଁ ଏହା ଗୋବାକୁ ନାହିଁ । ନିଶ୍ଚୟ ଏହା ଷ୍ଟେପ୍ କରିବା ଘନୟରେ ପୂର୍ଣ୍ଣ ପ୍ରତିଶୋ ଘୋଷାକ ପିନ୍ଧନ୍ତୁ ।

ବିଶେଷ ଲକ୍ଷଣ:

ଡିପ୍ରେସ୍, ଭାବ, କାର୍ଯ୍ୟକରଣ ଗ୍ରାସ ଏହା ଅନ୍ତ ଏହା ଚର୍ମର ଲକ୍ଷଣେ ଦୋଇପାରେ ।

ପ୍ରମାମିତ୍ରି ଡିଡ଼ିଗ୍ରା :

1. ପତି ଗିଡି ଡିଡ଼ିଯାଏ, ଗରାଢ଼ ପଛ ପତ୍ରକୁ ଟିଏ କରି ବାନ୍ଧି କର । ବାନ୍ଧି ଋଷ୍ଟ ନହେବା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଏହାକୁ ପ୍ରମୋଦୁଞ୍ଜି ଦିଅନ୍ତୁ । ଘୋଗା ଦୋଗାଶ୍ମେ ହେଲେ ବାନ୍ଧି ସୃଷ୍ଟି କରନ୍ତୁ ନାହିଁ ।
2. ପତି ଘୋଷାକ ଏହା ଚର୍ମ ପ୍ରସ୍ତୁତ ହୁଏ, କେବେ ଘୋଷାକ ପ୍ରସ୍ତବ ଚର୍ମକୁ ବନ୍ଦୁ ପରିମାଣର ପାତ୍ରୁ ଏହା ପାଣିରେ ଘୋଇ ଡିଟା ।
3. ପତି ଅଛାଣି ଦୂରିତ ହୁଏ, କେବେ ପ୍ରାୟ 10 ଘୁ 15 ନିମିଡ୍ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ପ୍ରବୁଦ୍ଧ ଘାଇଲଜ୍ / ବିଶୁଦ୍ଧ ପାଣି ସହିତ ହୁଏ କରନ୍ତୁ ।
4. ପତି ନିଶ୍ଚାସାସ ପ୍ରଶ୍ନାଶ୍ମ ନିମ୍ନସ୍ଥ, ଘୋଗାଢ଼ ତାଣ୍ଡା ପଦବରେ ବାହାର କରନ୍ତୁ ।

ପ୍ରତିଶାଂ:
ଋଣିଡ୍ ନିର୍ଦ୍ଧିଷ୍ଟ ଅଭିଶୋଟ, ଗରା ନାହିଁ । ଲକ୍ଷଣଗତ ଭାବରେ ଡିଡ଼ିଗ୍ରା କରନ୍ତୁ ।

ବ୍ୟବହୃତ ପାଘର ନିଶ୍ଚାପତ:</